

(ख) क्या यह सब है कि अन्य राज्यों के हज यात्रियों की तुलना में मध्य प्रदेश के हज यात्रियों की संख्या कम थी ; और

(ग) यदि हाँ, तो इसके क्या कारण हैं ?

प्रधान मंत्री, अथु शक्ति मंत्री, योजना मंत्री तथा बंधोक्ति-कार्य मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) : (क) 1967 के दौरान कुल मिलाकर 15,544 यात्री हज के लिये गये थे। इन में से 395 हज यात्री मध्य प्रदेश के थे।

(ख) और (ग). संबद्ध राज्यों के मुस्लिम आवादी के आघार पर हज की सीटें निर्धारित की जाती हैं। इसलिये मध्य प्रदेश के हज यात्रियों के लिये निर्धारित सीटें उन राज्यों के मुकाबले कम होनी ही थीं जिनकी मुस्लिम आवादी ज्यादा है, और उन राज्यों को दी जाने वाली सीटों से ज्यादा हो जाती थीं जिनमें मुस्लिम आवादी कम है।

12 hrs.

#### CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORT- ANCE

#### Death of Shri Deen Dayal Upadhyaya

SHRI KANWAR LAL GUPTA  
(Delhi Sadar): The hon. Minister who has to reply to my notice is not here.

I call the attention of the Minister of Home Affairs to the following matter of urgent public importance and I request that he may make a statement thereon:—

"The tragic death of Shri Deen Dayal Upadhyaya, President of the Jan Sangh."

श्री हुकम चन्द कछवाय (उज्जैन) : गृह-मंत्री सदन में नहीं हैं। यह सदन का

अपमान है। प्रधान मंत्री इसका जवाब दें।

THE MINISTER OF PARLIAMEN-  
TARY AFFAIRS AND COMMUNI-  
CATIONS (DR. RAM SUBHAG  
SINGH): He is in the Rajya Sabha  
and he will be coming soon.

THE PRIME MINISTER, MINIS-  
TER OF ATOMIC ENERGY, MINIS-  
TER OF PLANNING AND MINISTER  
OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI-  
MATI INDIRA GANDHI): He will  
be here in a minute.

DR. RAM SUBHAG SINGH: Any-  
how, I shall read out the reply.

Shri Deen Dayal Upadhyaya Presi-  
dent of Bhartiya Jana Sangh, was  
found dead near Mughalsarai Railway  
Station in the early hours of Febru-  
ary 11, 1968. The U.P. Police are in-  
vestigating the circumstances of the  
tragic death of this eminent public lea-  
der who had made a notable con-  
tribution to the political life of the  
country. The Central Government  
made the services of three experts in  
forensic science available to the in-  
vestigating authorities on 12th Feb-  
ruary, 1968. At the request of the  
Chief Minister, Uttar Pradesh, it has  
now been decided to entrust the in-  
vestigation to the Central Bureau of  
Investigation and a D.I.G of the Bureau  
is proceeding immediately to the  
scene of occurrence. The House will  
appreciate that notwithstanding the  
deep anxiety felt by large number of  
people it is not possible for me to say  
anything at this stage about the cause  
of Shri Upadhyaya's death.

श्री कंबलरलाल गुप्त : श्री उपाध्याय का अन्त बहुत मिस्टीरियस सर्कमस्टांसिज में हुआ है। यह किसी पोलिटिकल पार्टी का सवाल नहीं है। मेरा तो यह निश्चित मत है कि यह कोई एक्सिडेंट नहीं है, यह मडर है। अगर यह ट्रेंड देश में कुछ और बढ़ गया तो फिर कोई भी पोलिटिकल वर्कर यहां पर सेफ नहीं होगा और किसी भी बड़े से बड़े आदमी को हटाने के लिए केवल

एक पागल भ्रामरी की ज़रूरत होगी। इस लिए सभी पोलिटिकल पार्टीज़ और डेमोक्रेसी को यह एक चैलेंज है। मैं इस बात का स्वागत करता हूँ कि गृह मंत्री ने हमारी और सारे देश की भावनाओं की कद्र की है और इस बात को स्वीकार किया है कि यू० पी० गवर्नमेन्ट के साथ साथ सेंट्रल गवर्नमेन्ट भी हाई लेवल पर एक अलग एन्क्वायरी करेगी।

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI Y. B. CHAVAN): May I explain the point? There is one thing that we shall have to understand very clearly. These investigations are to be made under the Criminal Procedure Code. There cannot be double investigation; there cannot be many investigations, and these investigations have normally to be undertaken by an authority which is responsible for law and order.

In this matter, the senior UP officers had already undertaken investigations. But I say the feeling in this House that the Central Government also should take interest in this matter. I was very pleased to find that the Chief Minister of UP was also thinking on the same lines. When I talked to him last night, he said that he would welcome some representative of the CBI taking over the investigations. So, a senior officer of the CBI has been nominated, and he will immediately go there, and the team will investigate, and the officers there will also help him; it will be a single team for investigation. Let there be no misunderstanding about it.

I could very well understand the hon. Member's anxiety and his feeling, and in fact, all of us share that feeling. But till the investigations are complete, it will be very difficult for me to express any opinion about the cause of the death.

श्री कंवरलाल गुप्त : मंत्री महोदय ने जो कुछ कहा है, मैं उस का स्वागत करता हूँ। मैं समझता हूँ कि इस मामले की जांच

के लिए जितना मैं और मेरी पार्टी के लोग कीन हैं, उतने ही गृह मंत्री भी कीन हैं। लेकिन मैं उन का ध्यान केवल एक बात की तरफ दिलाना चाहता हूँ। इस सम्बन्ध में रेलवे डिपार्टमेन्ट की भी जिम्मेदारी भ्राती है, क्योंकि श्री उपाध्याय की डेढ़ बाड़ी रेलवे याइंड में मिली और यह जो मंडर हुआ या अक्सिडेंट हुआ इस को जो कुछ भी कहा जाय वह रेलवे के क्षेत्र में हुआ। रेलवे डिपार्टमेन्ट को बहुत देर बाद, पांच घंटे बाद पता चला कि यह श्रीदीन दयाल उपाध्याय की लाश है। मैं समझता हूँ कि इस मामले में थोड़ी लापरवाही बरती गई है। भाईन्दा इस प्रकार की कोई घटना न हो इस के लिए रेलवेज को कोई एक्स्ट्रा प्रीकाशन लेनी चाहिए। मैं गृह मंत्री से यह भी पूछना चाहता हूँ कि वह इस प्रकार की पोलिटिकल पर्सनेलिटीज की रक्षा के लिए क्या एक्स्ट्रा कार्यवाही करेंगे, ताकि इस तरह की घटना भविष्य में न हो।

SHRI Y. B. CHAVAN: Naturally, all those things can be looked after, once the investigations disclose the facts. It is only then that this question would arise. Supposing there are some steps that the railways will have to take, naturally they will have to take the necessary steps.

श्रीमती लक्ष्मीकान्तम्मा (खम्मम) : श्री दीन दयाल उपाध्याय देश के एक अनमोल रत्न थे। इस प्रकार से उन की मृत्यु होना देश के लिये दुर्भाग्य का विषय है। मैं यह जानना चाहती हूँ कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सरकार क्या कार्यवाही करने जा रही है। क्या वह विभिन्न दलों के मुख्य नेताओं के लिए कुछ सिक्युरिटी एरेंजमेंट करने की कोशिश करेगी ?

SHRI Y. B. CHAVAN: This is a suggestion.

MR. SPEAKER: Shri P. K. Deo.

**श्रीमती लक्ष्मी कान्तम्मा :** अध्यक्ष महोदय, इस प्रश्न में क्या गलती है ? मंत्री महोदय जवाब देने के लिए तैयार हैं। आप उन को जवाब देने का प्रवृत्त दीजिये।

**SHRI Y. B. CHAVAN:** If the suggestion is that we should give security protection to all the members of all the political parties, I would say that certainly those who ask for protection can be provided with it.

**श्रीमती लक्ष्मीकान्तम्मा :** मैंने सब के लिए नहीं, मुख्य नेताओं के लिए सिक्योरिटी एरेंजमेंट के बारे में पूछा है।

**MR. SPEAKER:** He has said that it will be considered.

**SHRI P. K. DEO (Khalahandi):** Without putting any question which may affect the investigations, I would like to know whether a time limit has been fixed by which the report of the investigation will be available to the House?

**SHRI Y. B. CHAVAN:** Since it is such an important case, naturally it is expected that it will be very expeditiously dealt with. But it will be very difficult to say that we should fix a time limit for the submission of the report.

**SHRI NATH PAI (Rajapur):** But it should be faster than in the case of Kairon's murder.

**SHRI Y. B. CHAVAN:** I hope so.

**श्री श्रीजन्म गोबल (चण्डीगढ़) :** क्या यह सत्य है कि उस समय जब कि श्री उपाध्याय प्रवास कर रहे थे इस फ़र्ट क्लॉस की ब्रोगी में कोई एटेंडेंट भी नहीं था ? क्या यह भी सत्य है कि श्री उपाध्याय का बिस्तर गुम है ? मैं यह भी जानना चाहता हूँ कि जब प्रधिकारियों को 3-25 बजे इस लाश के बारे में पता चल गया था तो उन्होंने कब यह समाचार छोड़ा कि इस

बोगी को मॉल कर दिया जाय, जिस में श्री उपाध्याय का सामान था। जैसा कि भूतकाल में भी ऐसी महत्वपूर्ण जांचों के सम्बन्ध में हुआ है क्या सरकार इस घटना की जांच के लिए स्काटलैन्ड गार्ड और दुनियां के माने हुये अन्य जासूसी विभागों या दलों की भी सहा लेने की कोशिश करेंगी ?

**SHRI Y. B. CHAVAN:** The Hon. Member is going into some of the details. I cannot say any thing about that matter unless the investigations are complete.

**MR. SPEAKER:** That is exactly the point to be inquired into now.

**श्री विश्वनाथ पाण्डेय (सलेमपुर) :** श्री वीन दयाल उपाध्याय का की दुखद मृत्यु एक विशेष दुर्घटना है। मैं हम बात का स्वागत करता हूँ कि केन्द्रीय सरकार इस की जांच में विशेष रुचि ले रही है। मैं यह जानना चाहता हूँ कि इस की जांच के लिये जिस समिति का गठन किया गया है, क्या उस में रेलवे विभाग के कोई उच्चाधिकारी भी हैं या नहीं। क्योंकि विशेष घटना यह है जो रेलवे यर्ड में हुई।

**श्री यशवन्त राव कुल्हार :** यह समझना चाहिए कि यह कोई एन्वयरी कमीशन नहीं है। यह इन्वेस्टीगेशन है और इन्वेस्टीगेशन यह पुलिस वालों को करना होगा। वह आवश्यक हो तो रेलवे वालों के साथ भी बातचीत करेंगे और उन के साथ जांच करेंगे।

12.00 hrs.

#### MOTION FOR ADJOURNMENT

#### Disturbances in Assam

**MR. SPEAKER:** As I said yesterday, I have received a number of notices of adjournment motions. Naturally we cannot take up all of them.